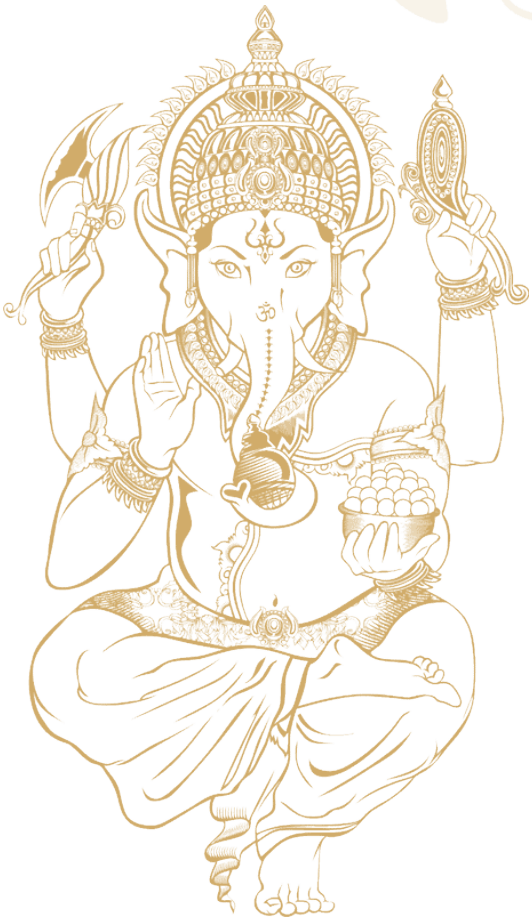

Mr.neeraj kumar

Ms.radhika

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120135201

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120135201 Date: 13/11/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
21-22/12/1986	जन्म तिथि	07/02/1990
रवि-सोमवार	दिन	बुधवार
घंटे 03:30:00	जन्म समय	23:00:00 घंटे
घटी 50:15:38	जन्म समय(घटी)	39:15:13 घटी
India	देश	India
Sultanpura	स्थान	Firozpur
31:13:00 उत्तर	अक्षांश	30:55:00 उत्तर
75:12:00 पूर्व	रेखांश	74:38:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:29:12	स्थानिक संस्कार	-00:31:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:23:44	सूर्योदय	07:19:44
17:31:05	सूर्यास्त	18:11:50
23:40:25	चित्रपक्षीय अयनांश	23:43:21
तुला	लग्न	कन्या
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	बुध
सिंह	राशि	मिथुन
सूर्य	राशि-स्वामी	बुध
मघा	नक्षत्र	पुनर्वसु
केतु	नक्षत्र स्वामी	गुरु
3	चरण	3
प्रीति	योग	प्रीति
गर	करण	तैतिल
मू-मुकेश	जन्म नामाक्षर	हा-हर्षा
धनु	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ
क्षत्रिय	वर्ण	शूद्र
वनचर	वश्य	मानव
मूषक	योनि	मार्जार
राक्षस	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	आद्य
मूषक	वर्ग	मेष

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 3वर्ष 0मा 4दि		15:06:50	तुला	लग्न	कन्या	27:35:04	गुरु 4वर्ष 10मा 7दि	
चन्द्र		06:04:13	धनु	सूर्य	मक	24:57:43	बुध	
26/12/2015		07:35:47	सिंह	चंद्र	मिथु	29:17:16	16/12/2013	
26/12/2025		24:03:05	कुंभ	मंगल	धनु	12:52:45	17/12/2030	
चन्द्र	26/10/2016	23:56:07	वृश्चि	बुध	मक	00:39:56	बुध	14/05/2016
मंगल	27/05/2017	22:21:48	कुंभ	गुरु व	मिथु	07:34:10	केतु	11/05/2017
राहु	26/11/2018	22:09:12	तुला	शुक्र व	धनु	27:12:26	शुक्र	11/03/2020
गुरु	27/03/2020	20:33:40	वृश्चि	शनि	धनु	26:14:43	सूर्य	16/01/2021
शनि	26/10/2021	23:58:00	मीन व	राहु	मक	22:46:18	चन्द्र	17/06/2022
बुध	27/03/2023	23:58:00	कन्या व	केतु	कर्क	22:46:18	मंगल	14/06/2023
केतु	26/10/2023	29:19:17	वृश्चि	हर्ष	धनु	14:08:39	राहु	01/01/2026
शुक्र	26/06/2025	11:37:54	धनु	नेप	धनु	19:39:35	गुरु	08/04/2028
सूर्य	26/12/2025	15:31:05	तुला	प्लूटो	तुला	24:01:31	शनि	17/12/2030

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:40:25 चित्रपक्षीय अयनांश 23:43:21

लग्न-चलित

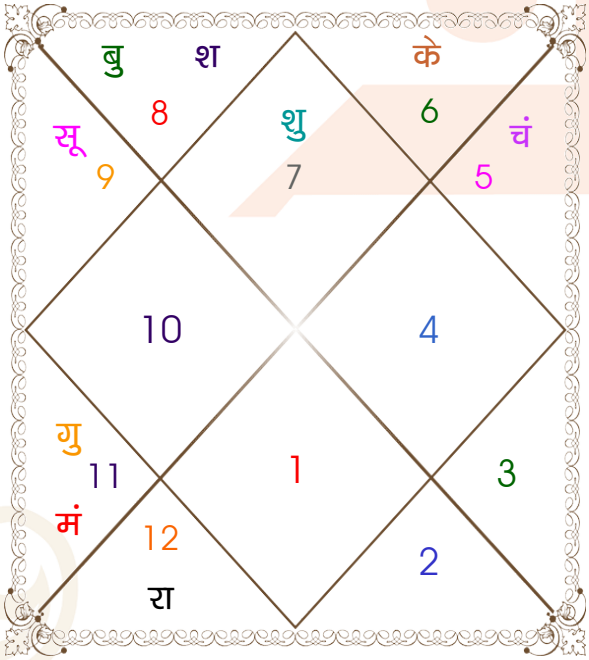

लग्न-चलित

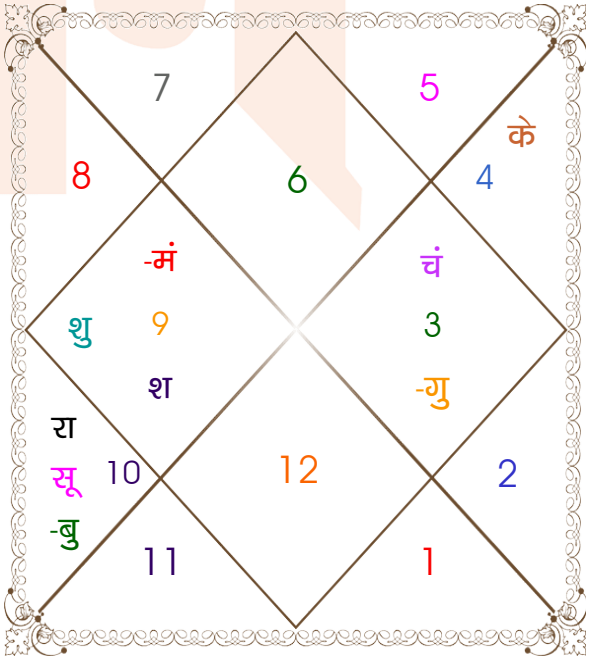

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	मानव	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	मार्जार	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	बुध	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

कुल : **22.5 / 36**

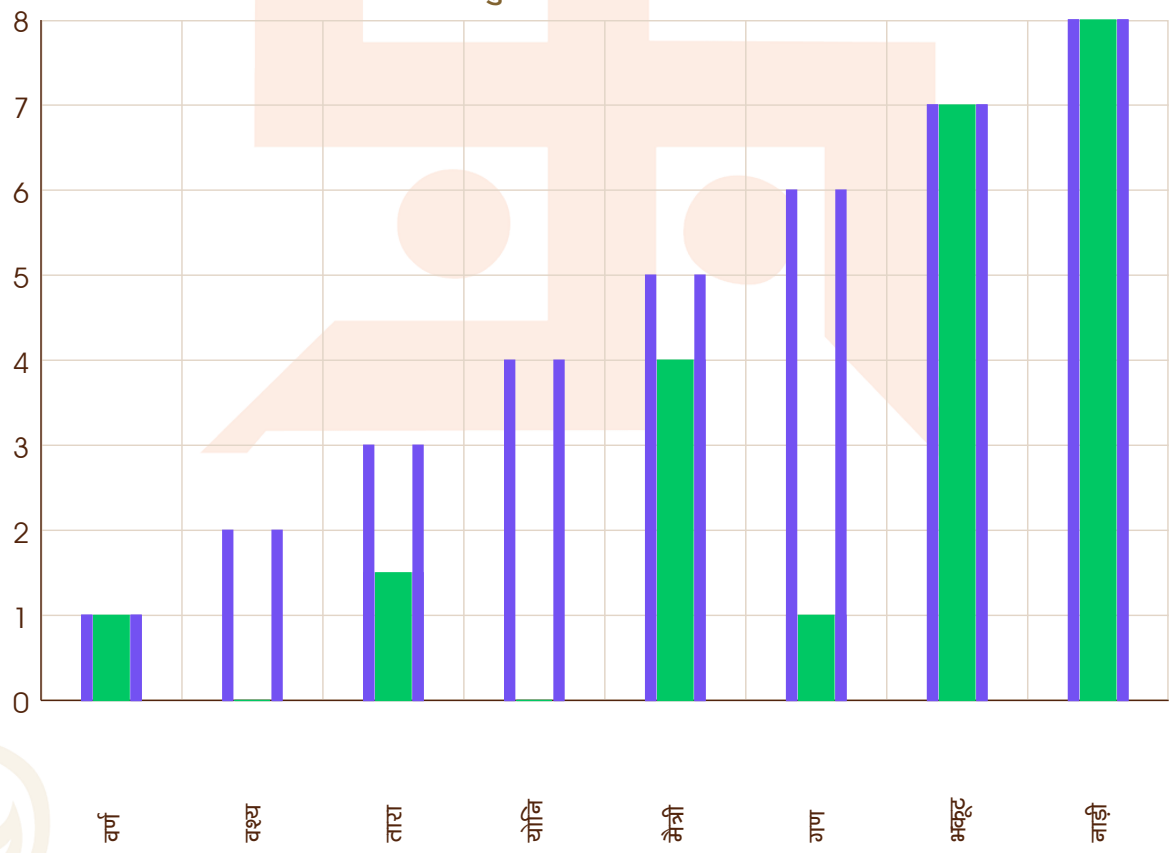

अष्टकूट मिलान

डतण्दममतंर ानउंत का वर्ग मूषक है तथा डेण्तंकीपां का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्दममतंर ानउंत और डेण्तंकीपां का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्दममतंर ानउंत मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

डेण्तंकीपां मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डतण्दममतंर ानउंत कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्दममतंर ानउंत तथा डेण्तंकीपां में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

डतण्दममतंर ानउंत का वर्ण क्षत्रिय तथा डेण्तंकीपां का वर्ण शूद्र है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाव से डेण्तंकीपां वैश्विक मां की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा सभी की देखभाल तथा सेवा बिना थके, बिना शिकायत किये करती रहेगी। साथ ही परिवार के किसी भी सदस्य अथवा डतण्दममतंर ानउंत से कभी तर्क-वितर्क नहीं करेगी। अपने इसी आतिथ्य भाव के कारण सभी की प्रशंसा का पात्र बनेगी।

वश्य

डतण्दममतंर ानउंत का वश्य वनचर है एवं डेण्तंकीपां का वश्य द्विपद (मनुष्य) है। जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। वनचर मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु होता है तथा जब भी मौका मिलता है वनचर मनुष्य पर आक्रमण कर उसे मारकर खा जाता है। इसी प्रकार वैवाहिक संबंधों में भी दोनों एक-दूसरे के लिए शत्रु साबित होंगे। डतण्दममतंर ानउंत और डेण्तंकीपां के के बीच अक्सर आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता रहेगा। दोनों समय समय पर एक दूसरे का अपमान करते रहेंगे। एक दूसरे की परवाह भी कम ही करेंगे। दोनों अक्सर लड़ाई-झगड़ा, एक-दूसरे पर वार एवं अपमान करते रहेंगे। जिससे परिवार की सुख-शांति भंग हो सकती है। ऐसी स्थिति में संतान भी अति क्रोधी, असामाजिक एवं अमानवीय व्यवहार करने वाले हो सकती है।

तारा

डतण्दममतंर ानउंत की तारा क्षेम तथा डेण्तंकीपां की तारा वध है। डेण्तंकीपां की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसे में यह विवाह डतण्दममतंर ानउंत एवं डेण्तंकीपां दोनों के लिए दुर्भाग्य के द्वार खोल सकता है। डेण्तंकीपां अपने पति एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्यशाली साबित हो सकती है। अतः संभव है कि घर में निरंतर दुःखदायी घटनाओं का क्रम चलता रहे। जिससे घर में दुःख एवं पीड़ा के वातावरण का निर्माण हो सकता है। ऐसी स्थिति में बच्चे भी काफी कष्ट भुगत सकते हैं तथा सफलता प्राप्ति के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।

योनि

डतण्दममतंर ानउंत की योनि मूषक है तथा डेण्तंकीपां की योनि मार्जार है । अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच परस्पर शत्रुता का संबंध है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच अक्सर घरेलू हिंसा होती रहेगी। समय-समय पर एक दूसरे पर आघात भी कर सकते हैं। दोनों के बीच प्रेम एवं सौहार्द का अभाव बना रहेगा। दोनों के बीच परस्पर संदेह की भावना बनी रहगी। वैवाहिक जीवन में स्थिति मुकदमेबाजी तक भी जी सकती है। दोनों के बीच अलगाव की चाह भी हो सकती है। एक घर में रहकर स्थिति तलाक जैसी बनी रह सकती है। परस्पर अविश्वास की

भावना के कारण वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है। अतः अपने वैवाहिक जीवन को बचाये रखने के लिए दोनों को परस्पर विश्वास व सहयोग की आवश्यकता है अन्यथा घरेलू हिंसा होने के कारण चोट भी लग सकती है। वैचारिक मतभेदों को बुद्धि बल तथा समझदारी से निपटाना चाहिये अन्यथा लड़ाई झगड़े से किसी भी समस्या का हल निकाल पाना असंभव है।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में डतण्दममतंर ानउंत का राशि स्वामी डेण्तंकीपां के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि डेण्तंकीपां का राशिस्वामी डतण्दममतंर ानउंत के राशिस्वामी के साथ मित्रता का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए सम हों किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को अपना मित्र मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पत्ति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

गण

डतण्दममतंर ानउंत का गण राक्षस तथा डेण्तंकीपां का गण देव है। अर्थात डेण्तंकीपां का गण डतण्दममतंर ानउंत के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण डतण्दममतंर ानउंत निर्दयी, कठोर, निष्ठुर एवं झगड़ालू हो सकते हैं। साथ ही डतण्दममतंर ानउंत का डेण्तंकीपां के साथ क्रूर व्यवहार करने की संभावना बनी रह सकती है। पति-पत्नी, अक्सर कुत्ते-बिल्लियों की भांति झगड़ा कर सकते हैं एवं परिवार में अक्सर अशांति का माहौल बना रहेगा। डेण्तंकीपां हमेशा हर कदम पर समझौता करने की कोशिश करती रहेगी ताकि दोनों का संबंध बना रहे।

भकूट

डतण्दममतंर ानउंत से डेण्तंकीपां की राशि एकादश भाव में स्थित है तथा डेण्तंकीपां से डतण्दममतंर ानउंत की राशि तृतीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण डतण्दममतंर ानउंत परिश्रमी, प्रिय, खुश तथा अपना हर कार्य को उत्साह से संपादित करने वाले होंगे। वह अपने परिवार, पड़ोसियों तथा पूरे समाज की आंखों का तारा होंगे। उनके अपनी पत्नी के साथ उसके संबंध अति मधुर होंगे। दूसरी ओर डेण्तंकीपां हर गुण से परिपूर्ण होगी तथा पति के लिए सदैव सहायक होंगी। वह स्वयं भी व्यावसायिक गतिविधियों में लिप्त रहकर धन कमायेंगी। तथा घर के प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। साथ ही भविष्य के लिए बचत भी करती रहेंगी।

नाड़ी

डतण्दममतंर ानउंत की नाड़ी अन्त्य है तथा डेण्तंकीपां की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। डतण्दममतंर ानउंत की अन्त्य नाड़ी तथा डेण्तंकीपां की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

डतण्दममतंर ानउंत की जन्म राशि अग्नि तत्व युक्त सिंह तथा डेण्तंकीपां की वायुतत्व युक्त मिथुन राशि है। नैसर्गिक रूप से अग्नि एवं वायुतत्व में समानता तथा मित्रता होती है। अतः डतण्दममतंर ानउंत और डेण्तंकीपां में स्वभावगत समानताएं विद्यमान होंगी तथा सुखी वैवाहिक जीवन का उपभोग करने में वे समर्थ रहेंगे। अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

डतण्दममतंर ानउंत की जन्म राशि का स्वामी सूर्य तथा डेण्तंकीपां की जन्म राशि का स्वामी बुध परस्पर मित्र एवं सम राशियों में पड़ते हैं। उत्तम दाम्पत्य जीवन के लिए यह एक सुखद ग्रह स्थिति है। अतः इसके प्रभाव से दोनों एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे । इनका एक दूसरे के प्रति आकर्षण सहयोग एवं सहानुभूति का भाव रहेगा जिससे दाम्पत्य संबधों में मधुरता रहेगी तथा जीवन आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

डतण्दममतंर ानउंत और डेण्तंकीपां की राशियां परस्पर एकादश एवं तृतीय भाव में पड़ती है। यह एक शुभ भकूट है। इसके प्रभाव से इनके मध्य स्वाभाविक एवं मानसिक समानताएं विद्यमान होंगी तथा एक दूसरे के आस्तित्व को स्वीकार करते हुए परस्पर सम्मान जनक व्यवहार करेंगे। डेण्तंकीपां में सहनशीलता का भाव भी विद्यमान रहेगा एवं आर्थिक क्षेत्र में वे अत्यधिक सतर्क रहेंगी जिससे दाम्पत्य जीवन की मधुरता बनी रहेगी।

डतण्दममतंर ानउंत का वश्य वनचर तथा डेण्तंकीपां का वश्य मानव है। इन दोनों के मध्य नैसर्गिक भिन्नता तथा शत्रुता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में अंतर रहेगा। साथ ही मानसिक शारीरिक तथा भावनात्मक स्तर पर भिन्नता रहेगी तथा दाम्पत्य संबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

डतण्दममतंर ानउंत का वर्ण क्षत्रिय तथा डेण्तंकीपां का वर्ण शूद्र है। अतः डतण्दममतंर ानउंत की प्रवृति साहसी एवं पराक्रमी कार्यो के प्रति रहेगी परन्तु डेण्तंकीपां किसी भी प्रकार के कार्य को परिश्रम तथा ईमानदारी से सम्पन्न करने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

धन

डतण्दममतंर ानउंत और डेण्तंकीपां की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः इसका आर्थिक स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा तथा सामान्य रूप से धन तथा लाभ प्राप्त करने में दम्पति सफल होंगे। डतण्दममतंर ानउंत एवं डेण्तंकीपां की राशि परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से डतण्दममतंर ानउंत और डेण्तंकीपां की आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता तथा सम्पन्नता में वृद्धि होगी तथामंगल का प्रभाव भी शुभ ही रहेगा। अतः आय स्रोतों में वृद्धि होगी।

डतण्दममतंर ानउंत को लाटरी या सट्टे आदि के द्वारा अचानक धन की प्राप्ति हो सकती है या किसी अन्य स्रोत से एक साथ प्रचुर मात्रा में लाभ के योग बनेंगे। इस प्रकार

डतण्दममतंर ानउंत और डेण्तंकीपां धनऐश्वर्य से युक्त होकर अपना समय व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

स्वास्थ्य

डतण्दममतंर ानउंत का जन्म अन्त्य तथा डेण्तंकीपां का जन्म आद्य नाड़ी में हुआ है। अतः स्वास्थ्य पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा नाड़ी दोष से मुक्त माने जाएंगे। परन्तु मंगल का दुष्प्रभाव डतण्दममतंर ानउंत को समय समय पर न्यूनाधिक रूप से होता रहेगा। इसके प्रभाव से डतण्दममतंर ानउंत हृदय संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगे एवं रक्त तथा पित संबंधी रोगों से भी पर कष्ट की प्राप्ति होगी। साथ ही धातु या मूत्र रोग संबंधी परेशानी की भी संभावना होगी। अतः इसके दुष्प्रभाव से बचने के लिए डतण्दममतंर ानउंत को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी रखने चाहिए। इससे उपरोकत अशुभ प्रभावों में कमी होगी तथा शुभ प्रभावों की प्राप्ति करने में समर्थ रहेंगे।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से डतण्दममतंर ानउंत और डेण्तंकीपां का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति डेण्तंकीपां के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्य मान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः डेण्तंकीपां को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विध्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

डतण्दममतंर ानउंत और डेण्तंकीपां बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः डतण्दममतंर ानउंत और डेण्तंकीपां का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

डेण्तंकीपां के सास के साथ संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे। साथ ही आयु में पर्याप्त अन्तर होने के कारण इन के मध्य अनावश्यक मतभेद रहेंगे। लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता से व्यवहार करेंगे तो संबधों में मधुरता की वृद्धि होगी तथा तनाव में

न्यूनता आएगी।

ससुर से भी डेण्तंकीपां को इच्छित स्नेह तथा सहानुभूति अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी। अतः डेण्तंकीपां को चाहिए कि ससुर की सेवा, सुख सुविधा तथा आराम का पूर्ण ध्यान रखें। इससे उनसे स्नेह के भाव में वृद्धि हो सकती है। लेकिन देवर तथा ननदों के साथ डेण्तंकीपां के संबध अच्छे रहेंगे तथा परस्पर सार्थक सामंजस्य का भाव रहेगा तथा मित्रता पूर्ण व्यवहार करके उनसे स्नेह तथा सहानुभूति को प्राप्त करेंगी। इन संबधों से डेण्तंकीपां सास ससुर से भी इच्छित स्नेह की प्राप्ति करने में समर्थ हो सकती है इस प्रकार ससुराल में इनका जीवन सामान्यतया सुखी ही रहेगा।

ससुराल-श्री

डतण्दममतंर ानउंत की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर डतण्दममतंर ानउंत सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन डतण्दममतंर ानउंत ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का डतण्दममतंर ानउंत के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।